# हिंदी विश्वविद्यालय में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने दिया व्याख्यान

## दलित पैंथर आंदोलन अहिंसक, समानता, स्व-सुरक्षा का था -रामदास अठावले

### डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र का आयोजन

### विश्वविद्यालय में स्पर्धा परीक्षा केंद्र, अंबेडकर पीठ की स्थापना एवं छात्रावास निर्माण में मदद का दिया आश्वासन

वर्धा, 2 नवंबर 2018: केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री माननीय रामदास अठावले जी ने शुक्रवार, 2 नवंबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में दलित पैंथर आंदोलन पर विशेष व्याख्यान में कहा कि दलित पैंथर आंदोलन अहिंसक, समानता और स्व-सुरक्षा के लिए था। उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहब अंबेडकर के विचारों पर केंद्रित इस आंदोलन से सामाजिक अन्याय और अत्याचार को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई। इस आंदोलन ने लेखक, विचारक और चिंतक तैयार कर सामाजिक न्याय की दिशा में बड़े समाज का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री अठावले ने विश्वविद्यालय में यूपीएससी, एमपीएससी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए केंद्र तथा डॉ. अंबेडकर पीठ की स्थापना करने तथा छात्रावास के निर्माण के लिए मदद का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पार्पण से किया गया।

विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र की ओर से खचाखच भरे गालिब सभागार में राज्य मंत्री माननीय रामदास अठावले जी व्याख्यान के माध्यम से उपस्थितों के समक्ष सीधा संवाद किया। उन्होंने दलित आंदोलन से जुड़ राजा ढाले, नामदेव ढसाल, ज. वि. पवार का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आंदोलन शांति पूर्ण तरीके से चलकर बुद्ध की विचारधारा की तरफ जाने वाला था।

उन्होंने कहा कि मैं एक सर्व सामान्य कार्यकर्ता हूं और अपने विद्यार्थी जीवन में छात्रावास में रहकर मैंने पढ़ाई की है। इस पर उन्होंने कविता के माध्यम से कहा कि 'मेंरा आज भर गया है मन, क्योंकि मैंने ही किया था दलित पैंथर आंदोलन'। उन्होंने नामांतर आंदोलन, भूमि आंदोलन और समाज के हासिएं के लोगों की सुरक्षा और न्याय के लिए किये आंदोलनों का जिक्र अपने व्याख्यान में किया। उन्होंने वर्धा के सामाजिक कार्यकर्ताओं के कामों की प्रशंसा करते हुए आज सम्मानित हुए कार्यकर्ताओं के योगदानों के प्रति उनका आभार जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने राज्य मंत्री अठावले के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अठावले जी ने हमसे सभी से सीधी बात करते हुए हमारी दिल जीत लिया है। जनता के बीच लंबे समय तक बने रहने का परिणाम उनके वक्तव्य की शैली को साबित करता है। उन्होंने कहा कि विकास यात्रा में सभी को शामिल करना एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती को अंजाम देने का काम अठावले अपनी नेतृत्व क्षमता से पूरजोर तरीके से कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के. के. सिंह ने किया। कार्यक्रम के संयोजक तथा केंद्र के निदेशक प्रो. लेल्ला कारुण्यकरा ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में राज्य मंत्री श्री अठावले जी को कुलपति प्रो. मिश्र द्वारा सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्य मंत्री अठावले जी का नागार्जुन अतिथि गृह पुष्पगुच्छ प्रदान कर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने स्वागत किया तथा उनके साथ औपचारिक चर्चा भी की। उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों और विकास योजनाओं की जानकारी मंत्री महोदय को दी। उनके साथ स्वीय सचिव मनीष गवई, आरपीआई के महाराष्ट्र अध्यक्ष भूपेष थुलकर, सचिव चंद्रकांत पाटिल भी मौजूद थे।

समारोह में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र की ओर से दलित पैंथर आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ता आर. एम. पाटिल, डॉ. रविदत्त कांबले, नरेश ओंकार, विजय आगलावे एवं नागपुर के एड. सुरेश चंद्र घाटे तथा विनोद मेश्राम  को सम्मान पत्र से विभूषित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के अध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी प्रभारी उप जिल्हा पुलिस अधीक्षक पिंगले, शहर के सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित

थे।